हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, गुरुवार 16 अप्रैल 2026
बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

10 लगातार बिजली गुल और लो वोल्टेज से ...

11 खून खराबे से सनी सड़कों में विकास की गंगा बहेगी

खबर संक्षेप

सरपंच एवं ग्रामवासियों ने दी बाबासाहेब को पुष्पांजलि

जगदलपुर। ग्राम पंचायत गढ़िया में सरपंच भरत कश्यप ने समाज प्रमुखों के साथ भारतीय संविधान के शिल्पी, समाज सुधारक एवं भारत रत्न, श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। युवा नेता एवं गढ़िया सरपंच कश्यप ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और वंचित व शोषित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आगे बढ़कर हमें जागरुकता के साथ शिक्षा अर्जित करनी चाहिए एवं अपने अधिकारों को समझ कर शांति से जीवन जीना चाहिए।

आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल करपावंड में प्रवेश प्रारंभ

जगदलपुर। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल करपावंड में वर्ष 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया ऑफलाइन तथा ऑनलाइन माध्यम से प्रारंभ कर दी गयी है। आवेदन 10 अप्रैल से आगामी 5 मई तक किया जा सकता है। संस्था के प्राचाय डीके कश्यप से बताया कि बीपीएल वर्ग से 25 प्रतिशत शीट भरी जाएगी। एपीएल वर्ग से 75 प्रतिशत शीट भरी जाएगी।

जिले में 3469 मरीजों को मिली मोतियाबिंद से निजात

जगदलपुर। नेत्र सहायक अधिकारियों की वार्षिक समीक्षा बैठक सोमवार को मुख्य चिकत्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में संपन्न हुआ। बैठक में वर्ष 2025-26 के नेत्र संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में प्राथमिक स्वास्थ केंद्रों के कार्यों का अवलोकन किया गया। नेत्र सहायक अधिकारी अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हुए 1369 लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन करवाए। इनमे दस साल से कम बच्चे भी है, जो जन्मजात मोतियाबिंद ऑपरेशन से पीड़ति थे। जिला अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सरिता थामस द्वारा 3469 को मोतियाबिंद सफल ऑपरेशन किया गया, जिससे अब देख पा रहे है। अधिकारियों द्वारा सभी नेत्र सहायको से कहा गया कि आगामी वर्ष 2026-27 हेतु कार्य योजना बनाए और कार्य करे। इसके अलावा विगत वर्ष की भांति सौ प्रतिशत स्कूल नेत्र परीक्षण करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाख, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सीआर मैत्री, जिला कार्यकर्म प्रबंधक रीना, जिले के समस्त नेत्र सहायक अधिकारी उपस्थित रहे।

कुत्तों की नसबंदी पर बबादी का प्रोजेक्ट तैयार, पिछली असफलताओं से सबक नहीं, फिर वही प्रयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जगदलपुर नगर निगम एक बार फिर आवारा कुत्तों की नसबंदी के नाम पर बड़ा अभियान शुरू करने जा रहा है, लेकिन सवाल वही पुराना है कि क्या इस बार नतीजे बदलेंगे? शहर में डॉग बाइट की बढ़ती घटनाओं और जनता के आक्रोश को शांत करने के लिए कंगोली स्थित पुराने डंपिंग यार्ड में पूरी तैयारी कर ली गई है। शेड, केज और अन्य व्यवस्थाएं लगभग तैयार हैं और चंडीगढ़ की एक एनजीओ को राज्य स्तर के टेंडर के बाद जिम्मेदारी सौंप दी गई है। दावा

अलग खबर

5000 आवारा कुत्तों की नसबंदी करने का निगम ने रखा लक्ष्य

पोस्ट ऑपरेटिंग केयर की आवश्यकता

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके देव ने स्पष्ट कहा कि नसबंदी के बाद कम से कम एक सप्ताह तक पोस्ट ऑपरेटिव केयर बेहद जरूरी है,अन्यथा संक्रमण और मौत का खतरा बना रहता है।

कंगोली डंपिंग यार्ड बना नसबंदी केंद्र

नगर निगम स्वच्छता समिति के सभापति लक्ष्मण झा ने बताया कि राज्य स्तर पर टेंडर के बाद चंडीगढ़ की संस्था को काम सौंपा गया है और जल्द ही टीम जगदलपुर पहुंचेगी। नगर निगम ने कंगोली स्थित पुराने डंपिंग यार्ड को नसबंदी केंद्र के रूप में विकसित किया है,जहां शेड,पिंजरे और अन्य जरूरी सुविधाएं तैयार की गई हैं। चंडीगढ़ की एनजीओ के पहुंचते ही प्रक्रिया शुरू करने की योजना है,लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बार पोस्ट ऑपरेटिव केयर पर गंभीरता दिखाई जाएगी या फिर करोड़ों खर्च कर पुराने नतीजे ही दोहराए जाएंगे।

है कि एक सप्ताह के भीतर अभियान शुरू हो जाएगा। हालांकि,दो साल पहले कांग्रेस सरकार के दौरान भी ऐसा ही अभियान चला था, जिसमें लगभग 450 कुत्तों की नसबंदी की गई, लेकिन पोस्ट ऑपरेटिव केयर के अभाव में अधिकांश केस फेल हो गए। इससे न केवल कुत्तों की मौत हुई, बल्कि शहर में उनकी संख्या भी कम नहीं हो सकी।

इस बार निगम ने करीब 5000 कुत्तों की नसबंदी का लक्ष्य तय किया है,लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी के मौसम में इस तरह के ऑपरेशन सफल नहीं होते। बावजूद इसके अभियान शुरू करने की तैयारी ने सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले हैदराबाद की एजेंसियां भी दो ⏭शेष पेज 10 पर

पूरा होने के बाद आदिवासी अंचल पहली बार जुड़ेगा रेल मानचित्र से

बस्तर की तकदीर बदलेगी, रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन को मिली 3513 करोड़ की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नक्सलवाद खत्म होने के बाद विकास के नए-नए द्वार खुल रहे हैं। हालांकि रेललाइन की इस परियोजना पर काम चल रहा था। अब बस्तर की बहुप्रतीक्षित रावघाट–जगदलपुर रेल लाइन परियोजना को आखिरकार केंद्र सरकार से हरी झंडी मिल गई है।

- कोंडागांव–नारायणपुर को मिलेगा सीधा लाभ
- रोजगार, व्यापार और सुरक्षा को मिलेगा बूस्ट, नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की तेज रफ्तार

फाइल फोटो

3513.11 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली यह महत्वाकांक्षी रेल परियोजना बस्तर के सामाजिक,आर्थिक और औद्योगिक विकास में गेमचेंजर साबित होने जा रही है। लगभग 140 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन न केवल कोंडागांव और नारायणपुर जैसे अब तक रेल सुविधा से वंचित जिलों को पहली बार देश के रेल नेटवर्क से जोड़ेगी,बल्कि आदिवासी अंचलों को मुख्यधारा से जोड़ने का मजबूत माध्यम बनेगी। इस रेल मार्ग के शुरू होने से बस्तर में पर्यटन को नई पहचान मिलेगी,स्थानीय व्यापार को बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। साथ ही, यह परियोजना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा दोनों को मजबूती प्रदान करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, यह रेल लाइन बस्तर के लिए "लाइफलाइन" साबित होगी,जो शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगी।

रावघाट- जगदलपुर रेल परियोजना की पूरी तस्वीर

यह ऐतिहासिक परियोजना कुल 140 किलोमीटर लंबाई में विकसित की जाएगी,जिस पर 3513.11 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद अब इसके क्रियान्वयन का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। बारिश के बाद निर्माण कार्य में तेजी आने की उम्मीद है। इस रेल लाइन के माध्यम से कोंडागांव और नारायणपुर जैसे पिछड़े जिले पहली बार रेल मानचित्र पर जुड़ेंगे, जिससे आदिवासी क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा। परियोजना से न केवल क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी। साथ ही,नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा और प्रशासनिक पहुंच मजबूत होगी, जिससे समावेशी विकास को नई धार मिलेगी।

किताबों से खेत तक, छात्रों ने सीखा स्वरोजगार का मंत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, के वनस्पति विज्ञान विषय अंतर्गत संचालित स्किल एन्हांसमेंट कार्यक्रम के तहत फ्लावर डेकोरेशन, गार्डेनिंग एवं फ्लोरीकल्चर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान लगभग 40 विद्यार्थियों ने शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर (बस्तर) का भ्रमण कर कृषि आधारित आधुनिक तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को मशरूम उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया गया। उन्हें उत्पादन की तकनीक, उपयुक्त तापमान,विभिन्न प्रजातियों,पोषण मूल्य एवं उपयोगिता की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पैकेजिंग एवं विपणन के व्यावहारिक पहलुओं को भी समझाया गया,जिससे विद्यार्थियों को स्वरोजगार के नए अवसरों की जानकारी मिली। इसके अतिरिक्त माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला का अवलोकन कर ⏭शेष पेज 10 पर

- कौशल आधारित शिक्षा को मिला नया आयाम, शैक्षणिक भ्रमण में मिला व्यावहारिक ज्ञान

कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

इस शैक्षणिक भ्रमण ने विद्यार्थियों को पारंपरिक पढ़ाई से आगे बढ़कर व्यावहारिक और रोजगारपरक ज्ञान से जोड़ा,जहाँ मशरूम उत्पादन,फ्लोरीकल्चर और माइक्रोबायोलॉजी जैसे विषयों के जरिए उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरणा मिली। वहीं आधुनिक कृषि तकनीकों की समझ ने उनके भविष्य के लिए नए अवसरों के द्वार खोले,जिससे यह पहल केवल एक भ्रमण न होकर उनके करियर निर्माण की मजबूत नींव साबित हुई।

रोजाना हजारों मरीज पा रहे निःशुल्क जांच का लाभ

कमिश्नर ने किया अटल आरोग्य लैब का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

कमिश्नर डोमन सिंह ने बुधवार को स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता और गुणवत्ता को परखने के उद्देश्य से स्थानीय महारानी अस्पताल स्थित अटल आरोग्य लैब का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लैब में उपलब्ध अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और मरीजों को मिल रही सेवाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस अवसर पर अवगत कराया गया कि वर्तमान में इस लैब के माध्यम से मरीजों को कुल 134 प्रकार की विभिन्न पैथोलॉजिकल जांचों की सुविधा एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती इन सुविधाओं का प्रत्यक्ष लाभ आम

जनता को मिल रहा है, हर रोज लगभग 2200 से 2300 मरीज इस लैब की सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। कमिश्नर ने लैब की सेवाओं से अधिकाधिक जरुरतमंदों को लाभान्वित करने पर बल देते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को रिपोर्ट प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और जांच की गुणवत्ता हमेशा मानक स्तर की बनी रहे। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को भविष्य में सेवाओं के विस्तार और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात भी कही। अधिकारियों ने कमिश्नर को ⏭शेष पेज 10 पर

प्राकृतिक आपदा पीड़ित 3 परिवारों को दी गई 12 लाख की सहायता

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा ने प्राकृतिक आपदा पीड़ित 3 परिवारों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। कलेक्टर द्वारा लोहण्डीगुड़ा तहसील के ग्राम मारेगा निवासी बसती की मृत्यु कुंआ के पानी में डूबने से माता सुबोती को और ग्राम मटनार निवासी सोमारी की मृत्यु कुंआ के पानी में डूबने से माता श्रीमती जमली को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। बस्तर तहसील ग्राम बालेंगा निवासी दशरथ की मृत्यु नहर के पानी में डूबने से पत्नी श्रीमती रैबारी को चार लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

33 प्रतिशत आरक्षण के फैसले पर महिलाओं ने जताया आभार, शहर में दिखा उल्लास

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर जताया आभार, मातृशक्ति ने निकाली स्कूटी रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं को उनके जनसंख्या अनुपात के अनुरूप लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बाद देशभर की महिलाओं में उत्साह का माहौल है। इसी क्रम में बस्तर की मातृ शक्तियों ने बुधवार को शहर में भव्य स्कूटी रैली निकालकर प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। रैली वीर सावरकर भवन से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी और पुनः भवन में समापन हुआ। पूरे मार्ग में महिलाओं का उत्साह और जोश देखने लायक रहा। हाथों में तिरंगा और नारों के साथ महिलाओं ने इस ऐतिहासिक ⏭शेष पेज 10 पर

- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता के नेतृत्व में निकली विजय रैली, बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल

महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इस निर्णय से न केवल महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि नीति निर्माण में उनकी प्रभावी उपस्थिति भी सुनिश्चित होगी। बस्तर में निकली स्कूटी रैली इसी व्यापक समर्थन और उत्साह का प्रतीक बनी, जहां महिलाओं ने एकजुट होकर इस फैसले का स्वागत किया और भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने का संकल्प भी व्यक्त की।

झांसे में लेकर चोरी हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जगदलपुर। सब्जी बेचने वाली ग्रामीण महिला का रुपए से भरे थैले को नकाब लगाकर चोरी कर भागने वाले चोर को पकड़ने में कोतवाली पुलिस को सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपी पूर्व में लूट और चोरी जैसे मामलों का हिस्ट्रीशीटर रहा है। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित अनुपमा चौक के पास सब्जी बेचने वाली ग्रामीण महिला से 12 अप्रैल को चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश, एएसपी माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन व सीएसपी सुमित कुमार डी धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम गठित किया ⏭शेष पेज 10 पर

शिक्षा,शोध और सामाजिक सरोकारों को मिलेगा नया मंच

काकतीय कॉलेज में एलुमनी एसोसिएशन का गठन, पूर्व छात्रों की ताकत से विकास को नई दिशा

1960 से अब तक संस्थान ने गढ़े देश-विदेश में नाम रोशन करने वाले प्रतिभावान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 13 अप्रैल को आयोजित विशेष बैठक में एलुमनी एसोसिएशन का गठन किया गया,जो संस्थान के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। महाविद्यालय में वर्तमान में आईआईटी भिलाई के सहयोग से शोध कार्य संचालित हो रहा है,साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र की स्थापना भी की जा चुकी है,जिससे अकादमिक वातावरण को नई मजबूती मिल रही है। बैठक में यह जानकारी भी सामने आई कि महाविद्यालय के छह विभागों को विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी शोध केंद्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई

है,जिससे क्षेत्रीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। वर्ष 1960 में स्थापित इस संस्थान ने अब तक आईएएस,आईपीएस,आईएफएस, वैज्ञानिक, विधिक अधिकारी,प्राध्यापक और विभिन्न क्षेत्रों के सफल पेशेवर तैयार किए हैं,जो देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान एलुमनी एसोसिएशन के उद्देश्य भी स्पष्ट किए गए, जिनमें ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और खेल को बढ़ावा देना,सामाजिक न्याय,पर्यावरण जागरूकता,मूल्य संवर्धित कार्यक्रमों का आयोजन तथा संस्थान के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाना ⏭शेष पेज 10 पर

एलुमनी एसोसिएशन से बदलेंगे विकास के आयाम

एलुमनी एसोसिएशन के गठन के साथ ही काकतीय महाविद्यालय को पूर्व छात्रों का एक सशक्त नेटवर्क मिल गया है, जो न केवल संस्थान के शैक्षणिक और शोध कार्यों को नई दिशा देगा,बल्कि सामाजिक सरोकारों को भी मजबूती प्रदान करेगा। इसके माध्यम से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा,खेल और जागरूकता कार्यक्रमों का विस्तार होगा,साथ ही पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में भी ठोस पहल देखने को मिलेगी। पूर्व छात्र अपने अनुभव और संसाधनों के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देंगे,जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और करियर निर्माण में लाभ मिलेगा। यह पहल संस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

मिशन गांव चलो अभियान, नानगुर ब्लॉक के गांवों में कांग्रेस की मजबूती पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में नानगुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत कुलगांव एवं साड़गुड़ में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार मिशन गांव चलो अभियान के तहत संगठन सृजन कार्यक्रम को गति दी जा रही है। बैठक में बूथ और सेक्टर स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति एवं जनहित में किए जा रहे कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। साथ ही भाजपा की जनविरोधी नीतियों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने पर भी विशेष जोर दिया गया। इस दौरान नानगुर प्रभारी एवं पूर्व विधायक जगदलपुर रेखचंद जैन, सह प्रभारी विजय सिंह एवं ब्लॉक अध्यक्ष फूलसिंह ⏭शेष पेज 10 पर

- कुलगांव और साड़गुड़ पंचायत में हुई अहम बैठक

खबर संक्षेप

लंबित प्रकरणों को किया जाए जल्द से जल्द निराकृत

कोण्डागांव। वर्ष 2026 की द्वितीय अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश खिलावन राम रीगरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कोंडागांव एवं नारायणपुर जिले के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जेलों में निरुद्ध विचाराधीन बंदियों के प्रकरणों की समीक्षा की गई, विशेष रूप से लंबे समय से लंबित मामलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। पात्र बंदियों को जमानत, रिहाई एवं अन्य वैधानिक लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया। अध्यक्ष द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आपसी समन्वय स्थापित कर लंबित प्रकरणों को जल्द से जल्द निराकृत करना सुनिश्चित करें। भविष्य में इस प्रकार की समीक्षा बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया, ताकि बंदियों के अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में कलेक्टर, पुलिस एवं जेल प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पौनी-पसारी चबूतरे फिर से व्यवस्थित होंगे

धमतरी। शहर में सब्जी विक्रेताओं की सुविधा के लिए बनाए गए पौनी-पसारी चबूतरे को फिर से व्यवस्थित करने की पहल तेज हो रही है। वर्तमान में इन चबूतरों का उपयोग कम होने के कारण नगर निगम अब इनके बेहतर उपयोग पर ध्यान दे रहा है। स्थानीय नागरिकों ने सुझाव दिया है कि इन चबूतरों को कुम्हार बाजार के रूप में विकसित किया जाए, जिससे कुम्हारों को स्थायी स्थान मिल सके और सड़कों पर लगने वाले अव्यवस्थित बाजार से राहत मिले। इस पहल से ट्रैफिक व्यवस्था सुधरेगी और शहर में व्यवस्थित व स्वच्छ बाजार का माहौल भी तैयार होगा।

राजपुर में नवीन सोसाइटी का शुभारंभ आज

मगरलोड। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित राजपुर का वर्चुअल शुभारंभ आज 15 अप्रैल बुधवार को सुबह 11 बजे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप द्वारा किया जाएगा। मुख्य अतिथि रोहित मोहन साहू भाजपा मंडल अध्यक्ष होंगे। अध्यक्षता विजय यदु भाजपा जिला उपाध्यक्ष धमतरी करेंगे। विशिष्ट अतिथि कृष्णकुमार ध्रुव जनपद सभापति सहकारिता, कविता सिन्हा जनपद सदस्य, श्रवण साहू पिछड़ा वर्ग मंडल अध्यक्ष, जनकलाल साहू प्राधिकृत अधिकारी मोहंदी सोसाइटी, जाम बाई सिन्हा सरपंच राजपुर, हरिविनायक सिन्हा सरपंच सरगी, शत्रुघ्न साहू प्राधिकृत अधिकारी भोथीडीह सोसाइटी, नंदनी सिन्हा भाजपा मंडल महामंत्री, मुरली सिन्हा मंडल महामंत्री, डामेश्वर सिन्हा प्राधिकृत अधिकारी सोसाइटी बोरसी होंगे।

कलेक्टर ने जनगणना प्रशिक्षण कार्य का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

सटीक व पारदर्शी जनगणना के लिए दिए निर्देश

कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जनगणना प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रगणकों और सुपरवाइजर को जनगणना से जुड़े सभी बिंदुओं को ध्यानपूर्वक समझकर सटीक जानकारी संकलन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने नागरिकों से 16 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले स्व–गणना कार्य में सक्रिय भागीदारी की अपील की, ताकि जनगणना समय–सीमा में पूर्ण हो सके। 16 से 30 अप्रैल तक नागरिक अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे, जिसके बाद प्रगणक घर–घर जाकर सत्यापन करेंगे। जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई तक मकान सूचीकरण एवं आवास गणना की जाएगी। कलेक्टर ने प्रशिक्षण में शामिल कर्मचारियों को गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर, तहसीलदार एवं मास्टर ट्रेनर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नागरिकों से स्वगणना में भाग लेने की अपील, आज से शुरू होगी स्वगणना कार्य

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने नागरिकों से स्व–गणना अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए जनगणना में जनसहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश के समग्र विकास के लिए सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़ों का होना आवश्यक है, जिससे बेहतर योजनाएं बनाई जा सकें। नागरिक 16 अप्रैल से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। जनगणना के प्रथम चरण में 01 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य किया जाएगा। कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि जनगणना के दौरान एकत्रित की गई सभी जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने नागरिकों, प्रगणकों और सुपरवाइजरों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने की अपील की।

समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

लगातार बिजली गुल और लो वोल्टेज से ग्रामीण हो रहे बेहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

- पंप नहीं चल पाने के कारण फसलें सूख रहीं

विद्युत विभाग कोंडागांव के वितरण केंद्र रांधना अंतर्गत आने वाले ग्राम लुभा, सण्डसा, उलेरा, ठेमगांव, सोडसिवनी, तितना और ओण्डरी सहित आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से बिजली गुल और लो वोल्टेज की समस्या ने ग्रामीणों का जीना दूभर कर दिया है। समस्या से परेशान ग्रामीणों में अब आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि अनियमित बिजली आपूर्ति और लो वोल्टेज के कारण किसानों की फसलें सूखकर नष्ट हो रही हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं पेयजल की समस्या भी दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है, जिससे आमजन का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी समस्या पर शासन-प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। हालात ऐसे हैं कि बिजली की समस्या से पूरे क्षेत्र में संकट की स्थिति बनी हुई है। इसी समस्या के समाधान की मांग को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण नगर स्थित बिजली कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति में सुधार किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस दौरान राजूराम मण्डवी, श्रवण कुमार, पतिराम, प्रभुराम, सुकमन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सिंचाई मोटरों में कैपेसिटर जरूर लगवाएं: एई

नगर के बिजली विभाग के एई विनोद मरकाम ने बताया कि लो वोल्टेज की समस्या को लेकर किसानों द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ है। इस संबंध में किसानों से चर्चा की गई है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने सिंचाई मोटरों में कैपेसिटर अवश्य लगवाएं। कैपेसिटर लगाने से वोल्टेज की समस्या में काफी हद तक सुधार हो सकता है।

मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली दवा बेचने वाले सप्लायर समेत दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए कोतवाली पुलिस ने नशे के सौदागरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में स्थानीय आरोपी के अलावा ओडिशा का सप्लायर भी शामिल है जो मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली दवा बेचा करता था। नशे के सौदागरों को गिरफ्तार करने के लिए एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश, एएसपी माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन, सीएसपी सुमित कुमार डी धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था। टीम को सूचना मिली थी कि आमागुड़ा चौक में एक युवक काले रंग का थैला में अवैध नशीली कैप्सूल रखकर बिक्री करने के लिए खड़ा है तथा ग्राहक का इंतजार कर रहा है। टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता समीर बघेल 23 साल निवासी पनारापारा का रहने वाला बताया। उसके कब्जे से प्रतिबंधित नशीली दवाई ट्रामोडोल की कैप्सूल कुल 27 पत्ता 216 नग, वजन 120.96 ग्राम बरामद कर जब्त किया गया। जब्त नशीली कैप्सूल का बाजार मूल्य 1 लाख 8 हजार रूपए आंका गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने प्रतिबंधित नशीली दवाई नबरंगपुर ओडिशा के मेडिकल वाले के पास से अवैध रूप से खरीदकर लाकर शहर के युवाओं को बेचता था। सप्लायर के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर विशेष टीम द्वारा तत्काल ओडिशा रवाना किया गया। ओम मौके पर पहुंचकर आरोपी ईश्वर उर्फ सोनू को नवरगंपुर बस स्टैंड से पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह बाबा मेडिकल स्टोर नबरंगपुर वाले का बेटा है तथा मेडिकल स्टोर के संचालन में अपने पिता का मदद करता था। उसके कब्जे से अवैध नशीली दवाई ट्रामोडोल 8.96 ग्राम कीमत 8 हजार रूपए बरामद कर जब्त किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विशेष न्यायालय में पेश किया गया। जहां से दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

इनकी रही अहम भूमिका

नशे के सोदागरों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी व सप्लायर को गिरफ्तार करने में निरीक्षक लीलाधर राठौर के अलावा एसआई अरूण मरकाम, प्रमोद ठाकुर, एएसआई भुवनेश्वर पाण्डे, प्रधान आरक्षक विनोद चांदने अनंत बघेल, आरक्षक बलराम कश्यप, छबिलाल सोम व महिला आरक्षक रीना अनंत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

क्रिकेट का महाकुंभः पीपीएल-4 प्लास्टिक बॉल टूर्नामेंट का आगाज़

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

यूथ स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में मंगलवार रात हाईस्कूल ग्राउंड में पीपीएल-4 एवं प्लास्टिक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रात 9 बजे मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रवि घोष और विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र की उपस्थिति में हुई। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक मांदरी नृत्य के साथ किया गया। इसके बाद पुजारी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। मैच शुरू होने से पहले जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने बैटिंग और बॉलिंग कर खेल का आनंद भी लिया, जिससे मैदान में उत्साह का माहौल बन गया। मुख्य अतिथि रवि घोष ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को अनुशासन, टीम भावना और खेल भावना के साथ खेलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और आपसी भाईचारे को भी मजबूत करता है। उन्होंने युवाओं से खेल के माध्यम से नशे और गलत गतिविधियों से दूर रहने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। प्लास्टिक बॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में व्यापारी और अधिकारी टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें व्यापारी टीम ने शानदार जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में विजेता टीम को नकर 15 हजार एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता को 10 हजार एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

ये रहे उपस्थितः इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र, एसडीएम अशवन पुसाम, एसडीओपी अभिनव उपाध्याय, तहसीलदार जयकुमार नाग, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष गणेश दुग्गा, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राज मरकाम, गणेश जायसवाल, देवेंद्र निषाद, फिरोज मेमन, डिक्की जायसवाल सहित आयोजन समिति के सदस्य, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

पीपीएल-4 में रोमांचक मुकाबले

पीपीएल-4 के पहले मैच में आदिवासी वॉरियर और मांई दंतेश्वरी के बीच जोरदार टक्कर हुई। जिसमें मांई दंतेश्वरी की टीम विजयी रही। वहीं दूसरे मैच में जय बूढ़ा देव और फरसगांव टाइटन्स के बीच हुए मुकाबले में फरसगांव टाइटन्स ने जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 77,777 हजार एवं ट्रॉफी, द्वितीय पुरस्कार 44,444 हजार एवं ट्रॉफी, तृतीय पुरस्कार 22,222 एवं ट्रॉफी तथा चतुर्थ पुरस्कार 11,111 हजार एवं ट्रॉफी रखा गया है। साथ ही बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट कीपर, मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज जैसे कई आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

आग में जलने से महिला की मौत

धमतरी। आंगन में जल रहे अंगेठा में महिला गिर गई। आग में गंभीर रूप से झुलस चुकी महिला की अस्पताल में मौत हो गई। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार खल्लारी थाना क्षेत्र के ग्राम ठाठी झिरिया निवासी अहिल्या बाई मरकाम पति सुखचंद उम्र 45 वर्ष के घर के आंगन में 15 दिन पहले अंगेठा जल रहा था। वहां से गुजरते समय महिला अंगेठा की लकड़ी से ठोकर खाकर सिर के बल आग में गिर गई। इस घटना में महिला गंभीर रूप से झुलस गई। अग्निदग्धा महिला का सप्ताह भर घर में इलाज कराया गया। ठीक नहीं होने पर सोमवार को उपचार के लिए नगरी अस्पताल ले गए जहां से रिफर करने पर जिला अस्पताल में भती कराया गया जहां इलाज के दौरान सोमवार की शाम महिला की मौत हो गई।

ऑपरेशन तलाश के तहत अनंतपुर पुलिस की बड़ी सफलता

तमिलनाडु से सकुशल बरामद हुई कोंडागांव की गुम नाबालिग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

थाना अनंतपुर पुलिस ने कई महीनों से गुम नाबालिग बालिका को तमिलनाडु के तिरूपपुर जिले से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। इस सफलता से न केवल एक परिवार को राहत मिली, बल्कि पुलिस के प्रति आमजन का विश्वास भी मजबूत हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बिंजोली निवासी गनपत नाग ने 29 जनवरी को थाना अनंतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री 8 अगस्त 2025 को मक्का बाड़ी जाने की बात कहकर घर से निकली, लेकिन वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन तलाश के तहत बालिका की खोज तेज की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, विशेषकर कॉल डिटेल के आधार पर जांच आगे बढाई। जांच के दौरान बालिका की लोकेशन तिरूपपुर तमिलनाडु में मिलने पर थाना अनंतपुर से सउनि. रामरतन मरकाम के नेतृत्व में टीम गठित कर तत्काल रवाना किया गया। स्थानीय पुलिस के सहयोग से 12 अप्रैल 2026 को विवेकानंद नगर स्थित शक्ति वेल लेडीज हॉस्टल से बालिका को सकुशल बरामद किया गया। पुलिस टीम बालिका को लेकर 14 अप्रैल को अनंतपुर पहुंची, जहां विधिवत कार्रवाई के बाद उसे उसके पिता एवं परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बालिका के सुरक्षित मिलने पर परिवार ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

इनकी रही अहम भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी गोपेन्द्र पटेल, सउनि. रामरतन मरकाम, प्रधान आरक्षक भावेश मण्डावी, आरक्षक चंदन यादव सायबर सेल एवं महिला आरक्षक अंजनी मण्डावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सामाजिक समरसता, शिक्षा और समानता का दिया गया संदेश

भाषण प्रतियोगिता, सम्मान समारोह और विचार गोष्ठी से गूंजा वन काष्ठागार

बाबा साहेब संस्था ने हर्षोल्लास से मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

वन विभाग के वन काष्ठागार नीलाम भवन में बाबा साहेब सेवा संस्था द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, शिक्षा और समानता के संदेश के साथ बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंबेडकर एवं ई.वी. रामास्वामी पेरियार नायकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा स्थापित समानता, न्याय और शिक्षा के मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा गया कि उनका पूरा जीवन समाज के वंचित वर्गों् को अधिकार दिलाने के लिए समर्पित रहा। कार्यक्रम में शासकीय गुंडाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोंडागांव के विद्यार्थियों के बीच बाबा साहेब की जीवनी पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रथम पुरस्कार द्रोणा प्रसाद 2000 रुपए संविधान पुस्तक, मोमेंटो, द्वितीय पुरस्कार सतवंती नेताम 1000 रुपए संविधान पुस्तक, तृतीय पुरस्कार दीपक दास मानिकपुरी एवं जयप्रकाश कुंजाम 500 रुपए संविधान पुस्तक विशेष पुरस्कार तथ्यशील चौरे 1000 रुपए संविधान पुस्तक प्रतियोगिता में कुल 12 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को भी सम्मान स्वरूप संविधान की पुस्तकें भेंट की गईं।

संविधान के मूल्यों को अपनाने का संदेश

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने, समाज में समानता, शिक्षा और न्याय को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल श्रद्धांजलि का अवसर रहा, बल्कि नई पीढ़ी को संविधान और सामाजिक न्याय के प्रति जागरूक करने का प्रेरणादायक मंच भी बना।

इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. किरण नुरूटी, शशि भूषण कन्नौजे, डॉ. सुरेंद्र कुमार नाग, डॉ. मनोहरन सिंह नेताम, विजय प्रताप सिंह, राधे कृष्णा बंजारे, मोहम्मद यासीन, सतवीर सिंह गिल सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक एवं नेशनल अवार्ड विजेता पंचू सागर ने की।

पेज 9 के शेष

कुत्तों की नसबंदी ....

बार यह काम कर चुकी हैं,लेकिन हर बार परिणाम निराशाजनक ही रहे। स्थिति यह रही कि नसबंदी के बाद भी शहर में आवारा कुत्तों की संख्या घट्ने के बजाय बढ़ती ही गई।

किताबों से खेत ...

पौधों में लगने वाले रोगों एवं उनके नियंत्रण के उपायों की जानकारी भी दी गई। इस शैक्षणिक पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करने का अवसर मिला,जिससे उनके कौशल एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में सकारात्मक कदम बढ़ा है। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ राजीव गुहे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अधिष्ठाता डीन डॉ. रघुनाथ सिंह नेताम,वैज्ञानिक डॉ. मंडावी एवं सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान मनीषा टाइगर का विशेष योगदान रहा।

कमिश्नर ने किया....

लैब की संचालन प्रक्रिया और तकनीकी संसाधनों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

इनकी रही मौजूदगी : निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. महेश शांडिल्य, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, डीपीएम डॉ. रीना लक्ष्मी, डॉ. सी मैत्री सहित वरिष्ठ चिकित्सक एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन...

निर्णय का स्वागत किया। रैली का नेतृत्व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में महिलाओं की शिक्षा,सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ और लखपति दीदी जैसे अभियानों ने महिलाओं को नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि अब 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ महिलाओं के नेतृत्व का नया दौर शुरू होगा, जब बड़ी संख्या में महिलाएं संसद और विधानसभा तक पहुंचेंगी। रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता ने इसे एक जनउत्सव का रूप दे दिया, जिससे पूरे शहर में सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह का वातावरण बना रहा।

ये रहे उपस्थितः इस दौरान बस्तर जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप,भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष महेश्वरी ठाकुर,सुधा मिश्रा, झरना महंती, अनिता श्रीवास्तव, पद्मश्री बुधरी टाटी, डॉ ज्योति लागू, डॉ सुषमा झा, शारदा पटेल, मीनाक्षी जोशी, आशा डोडिया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

काकतीय कॉलेज में...

शामिल है। बैठक में पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने अनुभव साझा किए और संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। एलुमनी एसोसिएशन के गठन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए संरक्षक सदस्य के रूप में किरण सिंह देव,अध्यक्ष के रूप में श्रीनिवास राव मड्डी,उपाध्यक्ष के रूप में बलराम यादव,सचिव के रूप में अनिल लुंकड़,कोषाध्यक्ष के रूप में डिंपल टेकचंदानी एवं संयुक्त सचिव के रूप में अलेक्जेंडर एम चेरियन का चयन किया गया।

मिशन गांव चलो अभियान,....

बघेल की उपस्थिति में ग्रामीण अंचल में कांग्रेस संगठन की मजबूती को लेकर रणनीति तैयार की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों के मद्देनजर सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान मंडल अध्यक्ष चमन लाल, सेक्टर अध्यक्ष सुखराम, पूर्व सरपंच साड़गुड़ तरु,कांग्रेस सचिव सुन्दर, ब्लॉक कांग्रेस सचिव सुरेश,युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप सेठिया, सूरज बघेल, सोमारु,मंगल राम,सामनाथ,दुर्योधन,अमन बघेल, जगन्नाथ,प्रभु, शिव बघेल,जयराम,मंगल सिंह,सुखदेव, रामु, दायमती,सोनादेई, तुलाराम सेठिया, गुड्डू भारती, रामसिंह,दयाराम,तारा देहारी,खेमराज सेठिया सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मिशन गांव चलो अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी ग्रामीण स्तर पर संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर कार्य कर रही है, जिसमें बूथ और सेक्टर कमेटियों के गठन को प्राथमिकता दी जा रही है। इस अभियान के माध्यम से पार्टी न केवल अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर रही है,बल्कि जनहित योजनाओं और नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास भी कर रही है। नानगुर ब्लॉक की बैठकों में यह स्पष्ट हुआ कि कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए लगातार सक्रिय है। आगामी समय में संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

झांसे में लेकर ...

गया था। मामले कि रिपोर्ट दर्ज कराते हुए प्रार्थिया बसंती बघेल निवासी इरिकपाल ने बताया कि रविवार को वह अपने मां सामबती बघेल के साथ सब्जी बेचने के लिए अनुपमा चौक के पास आई थी। इसी दौरान एक अज्ञात चोर चेहरे पर नकाब लगाकर आया और इसका ध्यान सब्जी बेचने में लगा हुआ देखकर इसके बगल में रखा पैसे के थैला को चोरी कर लेकर भाग गया। रिपोर्ट पर टीम द्वारा आसपास के लोगो से पूछताछ करते हुए घटना स्थान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य तकनीकियों का सहायता लेकर गहनता से अवलोकन किया गया जिसके आधार पर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाला चोरी तथा लूट के मामलों में रहने वाला आदतन संदेही बदमाश आरोपी गिरी नायक 22 साल निवासी पनारापारा को पकड़कर पूछताछ किया गया। कड़ाई से पूछताछ में उसने घटना को अंजाम देना कबूल किया। उसके कब्जे से चोरी किए गए रूपए से बचे हुए 1 हजार 750 रूपए बरामद कर जब्त किया गया। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया। त्वरित कार्रवाई में निरीक्षक लीलाधर राठौर के अलावा एसआई अरूण मरकाम, एएसआई विनायक ठाकुर, प्रधान आरक्षक विनोद चांदने, क्षमा साहू, आरक्षक सोनू गौतम, युवराज ठाकुर, महंगू कश्यप व रंगलाल खरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खबर संक्षेप

बाबा साहब की 135वीं जयंती मनाई गई

घाटलोहंगा। बस्तर विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल के जगदलपुर स्थित निवास स्थान पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों को याद किया। कार्यक्रम में संविधान, समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति बाबा साहब के योगदान पर प्रकाश डाला गया। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब के आदर्श आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक समतामूलक समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे और सभी ने बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

शिक्षा ही हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों का मान कराती

मद्देड़। बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत मद्देड़ में भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर गांव के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान क्षेत्र की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने दलित शोषित और वंचितों के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया, उन्होंने सामाजिक दंश झेलने के बावजूद भी उच्च शिक्षा प्राप्त की और समाज की सेवा और उत्थान में जुड़ गए, बाबा साहब आंबेडकर ने मंत्र दिया है कि शिक्षित बनो संगठित रहो और संघर्ष करो शिक्षा ही हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों का मान कराती हैं। बाबा साहब द्वारा दिया गया संविधान देश के लोगों की सबसे बड़ी ताकत है, हमारे संविधान हमें अधिकार सम्पन्न बनाता हैं।

विधायक ने समस्याओं को शीघ्र पूरा करने दिया आश्वासन

घाटलोहंगा। विधायक एवं विधानसभा के उप नेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल चैत्र मेला कार्यक्रम में शामिल होकर पुजारी के साथ पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख समृद्धि का कामनाकर ग्रामीणों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को उनके समक्ष रखा। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर शीघ्र समाधान का आश्वासन

नक्सल खात्मे के बाद अब ईमानदार पहल की हो शुरूवात

शांति की दिशा में शुरू हुए प्रयास ने सफलता हासिल कर ली

पुलिस की स्थानांतरण नीति में भी हो बदलाव, जनप्रतिनिधियों ने कहा-नक्सलमुक्ति का स्वागत

खून खराबे से सनी सड़कों पर बहे विकास की गंगा

लीलाधर राठी ▶▶ सुकमा

छग में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद से लगने लगा था कि इस बार बस्तर में शांति की दिशा में धरातली प्रयास होंगे। इस दिशा में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर से इसकी शुरूवात कर आम लोगों से चर्चा करते हुए शांति की दिशा में कार्य शुरू कर दिया था। वही आम नागरिकों को भी अहसास होने लगा था इस बार नक्सलवाद को लेकर ईमानदार पहल होगी। नक्सलवाद खात्मे के बाद जनप्रतिनिधियों व अमजन का मानना है कि खून खराबे से सनी सड़कों पर अब विकास की गंगा बहनी चाहिए।भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी गांव से हुई थी। नक्सलबाड़ी गांव के नाम पर ही उग्रपंथी आंदोलन को नक्सलवाद कहा गया। बस्तर में नक्सलियों ने 1983 के आसपास बीजापुर क्षेत्र में अपनी आहट दी थी और 1987 में अविभाजित बस्तर जिले के बीजापुर जिले के जनपद अध्यक्ष कुरसम रामैया की हत्या की थी। एक अच्छी पहल के साथ नई शुरूआत बस्तर के लगभग सभी जिलों को चपेट में लिये नक्सलवाद को लेकर प्रदेश के साथ-साथ दिल्ली में शांति की दिशा में शुरू हुए प्रयास ने सफलता हासिल कर ली।

बस्तर को न समझा जाए कालापानी की सजा

अक्सर देखा गया है कि राजधानी व मैदानी क्षेत्रो में तैनात अधिकारी कर्मचारी को बतौर सजा के तौर पर बस्तर भेजे जाने की धमकी दी जाती है और स्थांतरण उपरांत वो कर्मचारी अपने आपको कालापानी की सजा समझ कर जैसे तैसे दिन गुजारता है। इस दौरान उक्त के द्वारा अपने कत्तव्यों के प्रति जो निष्ठा दिखानी होती है वो न दिखा कर उल्टे कहता है कि इससे बुरी जगह कहां भेजोगे।

भ्रष्टाचार पर कसा जाए नकेल

नक्सलवाद की जड़े हिलने के बाद से बस्तर में व्याप्त भ्रष्टाचार को पहले दूर किया जाना चाहिऐ। बस्तर के घोर नक्सल प्रभावित जिलो के लिये भेजे जाने वाले पैसो में 50 फीसदी राशि बंदरबांट में चली जाती थी। प्राप्त आंकड़ो के अनुसार वर्ष 2012-13 में सुकमा जिले के लिये केन्द्र सरकार द्वारा आईएएपी मद से प्रति वर्ष 20 करोड़ रूपये नक्सल प्रभावित ग्रामों के विकास के लिये भेजा गया था। एक अकेले सुकमा जिले में उस दौरान 3 वर्षों में 65 करोड़ रूपये सुकमा जिले को प्राप्त हुआ था जिसमे से मात्र 2.5 लाख रूपये ही जगरगुण्डा क्षेत्र में खर्च किये गये बाकी सुकमा जैसे शहरो के आसपास सीसी सड़क व चार दीवारी में खं कर दिये गये। ऐसे कई मामले है जिसे करोडो अरबो रूपये नक्सल प्रभावित क्षेत्रो के लिये भेजा जाता है लेकिन वो सिर्फ फर्जी रिपेयर में ही खर्च हो जाता गये है।

पुलिस की स्थानांतरण नीति में भी हो बदलाव

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे का श्रेय डबल इंजन को

सांसद प्रतिनिधि व वरिष्ठ भाजपा नेता अरूण सिंह भदौरिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे का श्रेय मुख्य रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य की भाजपा सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद लगभग खत्म हो गया है, जिसका कारण आक्रामक ऑपरेशन, बुनियादी ढांचे का विकास सड़कें और आत्मसमर्पण नीतियां हैं। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और अब आगे के विकास पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। गांव में स्कूल खोलने के लिए अभियान चल रहा है। हर गांव में सरकार की योजना पहुंच रही है। राशन की दुकान, हर तहसील और पंचायत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हो रहे हैं। लोगों को यहां अनाज मिल रहा है।

अब विकास को लेकर ना करे बहानाः कुंजाम

जिला पंचायत उपाध्यक्ष महेश कुंजाम ने कहा कि बस्तर में एक बड़ी नक्सलवाद समस्या रही है, अब खत्म हो गया है। अब सवाल है कि नक्सलवाद के कारण विकास नहीं हुआ है। अब विकास होना चाहिए। अब उन क्षेत्र में आंगनबाड़ी, स्कूल की व्यवस्था, शिक्षकों की कमी को पूरा करना, छात्रावास, आश्रम पोटाकेबिनों में अव्यवस्थाओं को बेहतर करना, स्वास्थ्य सेवाएं ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंचना आसान होगा जायेगा। हर गांव में सड़क की सुविधा होगी। साथ में उन क्षेत्र में आदिवासी, मुलनिवासियों का जल, जगल, जमीन भी सुरक्षित रखना है, सरकार से भी यह उम्मीद करते है की वनाधिकार पट्टा सभी लाभार्थियों को नियमानुसार 10 एकड़ तक वन पट्टा दे।

बस्तर की खुशहाली में ही छत्तीसगढ़ की असली प्रगतिः दीपिका

इस संबंध में महिला आयोग की सदस्या सुश्री दीपिका शोरी ने कहा कि बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करना केवल एक सुरक्षा संबंधी चुनौती नहीं है, बल्कि यह इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और आदिवासियों के विश्वास को जीतने का मार्ग है। एक शांतिपूर्ण बस्तर का अर्थ है हॉस्पिटल्स, स्कूल और पक्की सड़कों का दूरस्थ गांवों तक पहुंचना। जब बस्तर हिंसा के साये से बाहर आएगा, तब यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अद्भुत हस्तशिल्प और प्राकृतिक पर्यटन जैसे चित्रकोट और तीरथगढ़ वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना पाएंगे। स्थानीय युवाओं के लिए शिक्षा और स्वरोजगार के नए द्वार खुलेंगे, जिससे वे मुख्यधारा से जुड़कर क्षेत्र की उन्नति में भागीदार बनेंगे। बस्तर की खुशहाली में ही छत्तीसगढ़ की असली प्रगति निहित है।

केवल बंदूकों की नहीं, बल्कि विकास विश्वास और लोकतंत्र की जीत

सुकमा जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता कैलाश जैन ने कहा कि सुकमा की धरती के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। दशकों के संघर्ष के बाद, हम गर्व के साथ यह साझा कर रहे हैं कि सुकमा अब नक्सलवाद के साये से मुक्त हो चुका है। यह जीत केवल बंदूकों की नहीं, बल्कि विकास, विश्वास और लोकतंत्र की जीत है। सुरक्षा बलों का समर्पण हमारे जवानों के सर्वोच्च बलिदान और निरंतर रणनीतिक अभियानों ने नक्सलियों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। विकास की नई राह अब सुकमा के दूरस्थ अंचलों तक सड़कें, स्कूल, अस्पताल और बिजली निर्बाध रूप से पहुँच रही हैं। सुकमा अब केवल संघर्ष की कहानियों के लिए नहीं, बल्कि पर्यटन, शिक्षा और खुशहाली के लिए जाना जाएगा।

स्थानांतरण नीति में हो बदलाव

बस्तर में 40 वर्ष से अधिक समय से अंगद की तरह पैर जमाये नक्सलवाद को लेकर पूर्व में भी प्रयास हुए थे लेकिन सफलता के नाम पर शून्य हासिल हुआ था। सूत्रो की माने तो इस लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मियों के स्थानांतरण नीति में बड़ी खामियां है। आज भी बस्तर में दर्जनों की संख्या में पुलिस निरीक्षक तैनात है जो पिछले 6 से 8 वर्षो से लगातार बस्तर में अपनी सेवा दे रहे है। इसके अलावा इनके नीचे के पुलिस कर्मी तो कई वर्षो से स्थानांतरण की बांट जो रहे है। कांग्रेस सरकार के समय में भी पुलिस के अधिकारी कर्मचारी अपने नीतिगत स्थांतरण को लेकर गुहार लगाये थे लेकिन उक्त सरकार में भी उनकी एक भी नहीं सुनी गई। पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारियों के लिये दो वर्ष में स्थानांतरण की नीति बननी चाहिये।

पीएम श्री सेजेस के विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहांडीगुड़ा

पीएम श्री सेजेस लोहांडीगुड़ा के कक्षा 5 के विद्यार्थियों ने वर्ष 2025 -26 की जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों में वर्षिका ठाकुर, मोहित कुमार धलेन्द्र, ऋषि कुमार गोटे, लाव्या सेठिया, तानिया भारद्वाज एवं इशानी पटेल शामिल हैं।

इन सभी विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय परिवार ने इस सफलता को विद्यार्थियों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया है। शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग ने बच्चों को इस मुकाम तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी शालिनी तिवारी, एसएमडीसी अध्यक्ष बसंत कश्यप, प्राचार्य अशोक खापर्डे तथा समस्त विद्यालय स्टाफ ने विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। विद्यालय के प्राचार्य एवं स्टाफ ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए भी प्रेरणादायक है।

शिक्षा स्वास्थ्य व समूहों की गतिविधियों का सदस्य सचिव पिथोडे ने किया अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

आकांक्षी जिला दंतेवाड़ा में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आजीविका एवं कौशल विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में हो रही प्रगति का जायजा लेने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग सीएक्यूएम, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सदस्य सचिव तरुण कुमार पिथोडे दो दिवसीय प्रवास पर दंतेवाड़ा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने

- बालमित्र, आजीविका सेवा केन्द्र , उप स्वास्थ्य केन्द्र तथा बिंजाम, झोड़ियाबाड़म में पहुंचकर महिलाओं और कार्यकर्ता से किया चर्चा

विकासखंड दंतेवाड़ा, कुआकोण्डा एवं गीदम के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं और जमीनी स्तर पर संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया।

इस क्रम में सदस्य सचिव पिथोडे ने बालमित्र पुस्तकालय मांझीपारा का भ्रमण कर बच्चों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई, पुस्तकालय उपयोग तथा सीखने के अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ पुस्तकालय की भूमिका की सराहना करते हुए उनसे भविष्य के योजनाओं के बारे में जानना चाहा। इसके पश्चात उन्होंने कुआकोण्डा स्थित आजीविका सेवा केंद्र का अवलोकन किया, जहां स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित रोजगार गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर समूह की दीदियों ने बताया कि वे उत्तम बीज, जैविक खाद तथा अन्य कृषि आधारित उत्पादों का निर्माण एवं विक्रय कर रही हैं। ज्ञात हो कि इस केंद्र से 34 ग्राम संगठनों के परिवार लगभग 300 लाभान्वित हो रही हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है।

दौरे के दौरान पिथोडे ने रेडीटू ईट पूरक पोषण केंद्र कुआकोण्डा का भी निरीक्षण किया। यहां कार्यरत समूह की महिलाओं से चर्चा करते हुए उन्होंने पोषण आहार के वितरण एवं उपयोग के बारे में जानकारी ली। यहां महिलाओं ने बताया कि यह पोषण आहार जिले के चारों विकास खंडों में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा कुपोषित बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र श्यामगिरी में भी पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया तथा कार्यकर्ताओं और महिलाओं से संवाद किया। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर श्यामगिरी में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाइयों, लैब जांच और प्रसव सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से चर्चा कर अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में फीडबैक भी लिया।

इसके अलावा सदस्य सचिव ने बिंजाम-झोडियाबाड़म में कृषि से संबंधित फूड प्रोसेसिंग यूनिट तथा बिंजाम एटीएम आधारित मॉडल कृषि को भी देखा। इस भ्रमण के दौरान कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, एसडीएम लोकांश एल्मा, एसडीएम राजीव कुजूर, उप संचालक पंचायत तरुण देशमुख,फेलो शिप ज्योति बाबू, संचित सहित अन्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

केशापुर के ग्रामीणों को जनपद उपाध्यक्ष ने दिया पानी टैंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दरभा

केशापुर ग्राम में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में पहल करते हुए दरभा जनपद उपाध्यक्ष पीडी हरीश ने 14 अप्रैल को पानी टैंकर का वितरण किया। इस पहल से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

ग्राम का भूजल स्तर काफी नीचे चले जाने के कारण कई बोरवेल असफल हो चुके हैं। वहीं नल-जल योजना भी पूरे गांव में पर्याप्त पानी पहुंचाने में असक्षम साबित हुई है। ऐसे में ग्रामीण लंबे समय से पानी की किल्लत से जूझ रहे थे खासकर विवाह व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान उन्हें अन्य गांवों से टैंकर मंगवाना पड़ता था। टैंकर उपलब्ध होने से अब गांववासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी और पानी की समस्या से काफी हद तक निजात मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा रामाश्रे सिंह ने रीबन काट कर टेंकर का लोकापर्ण किया एवं जनपद अध्यक्ष मानकदई, जनपद सदस्य गागरा राम नाग एवं ग्राम के सरपंच नीलू राम कश्यप, उपसरपंच ममता नाग वार्ड पंच सदस्य, ग्राम के प्रमुख सियान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनगणना के पहले चरण की तैयारी तेज, प्रगणकों का प्रशिक्षण शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दोरनापाल

भारत की जनगणना 2027 के पहले चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को लेकर दोरनापाल और जगरगुंडा तहसील क्षेत्रों में तैयारियां तेज हो गई हैं।

केन्द्रीय जनगणना निदेशालय, नई दिल्ली एवं राज्य जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण दोरनापाल स्थित स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुरू हो गया है। दोरनापाल तहसील ग्रामीण क्षेत्र में प्रथम चरण के तहत 15 अप्रैल से 17 अप्रैल तक 44 प्रगणक-सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है, जबकि दूसरे चरण में 18 अप्रैल से 20 अप्रैल तक 30 प्रगणक-सुपरवाइजर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। वहीं जगरगुंडा तहसील ग्रामीण में प्रथम चरण 15 अप्रैल से 17 अप्रैल तक 40 तथा दूसरे चरण में 22 अप्रैल से 24 अप्रैल तक 41 प्रगणक-सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना के प्रथम चरण की प्रक्रिया, मोबाइल एप के उपयोग और डाटा संकलन से जुड़ी जानकारी दी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि दोरनापाल तहसील ग्रामीण में कुल 76 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) बनाए गए हैं, जबकि जगरगुंडा तहसील ग्रामीण में 91 एचएलबी निर्धारित किए गए हैं।

जनगणना का प्रथम चरण 1 मई से 30 मई तक संचालित होगा। इस दौरान प्रगणक अपने-अपने आवंटित एचएलबी क्षेत्रों के गांवों में घर-घर जाकर मोबाइल एप के माध्यम से मकानों की गणना करेंगे। सर्वे के दौरान कुल 34 निर्धारित प्रश्नों के आधार पर मकान मालिकों से जानकारी लेकर उसे डिजिटल रूप से दर्ज किया जाएगा।

एकत्रित डाटा को बाद में सेंट्रल प्रोसेसिंग के लिए सबमिट किया जाएगा। प्रशासन ने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि जनगणना कार्य में सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि आंकड़ों का सटीक संकलन सुनिश्चित हो

न्यायालय तहसीलदार कोहकामेटा, जिला नारायणपुर (छ.ग.)
प्रकरण क्रमांक 202603171100146 बी / 121

उद्घोषणा– पत्र

एतद द्वारा समस्त निवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक रैनूराम सलाम पिता स्व. सोनारू सलाम उम्र 22 वर्ष जाति अबुझमाड़िया निवासी कुमनार, पंचायत झारावाही के द्वारा अपनी माता स्व. डाली सलाम की मृत्यु, नक्सलियों द्वारा लगाये गये बम के चपेट मे आने से (मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार) दिनांक 18.01.2017 को होने के पश्चात पुलिस अधीक्षक कार्यालय नारायणपुर के द्वारा राहत राशि योजना से लाभान्वित हेतु आवेदक को वारिसान प्रमाण पत्र की मांग किये जाने के फलस्वरूप आवेदक से वारिसान प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से सुनवाई दिनांक 17/04/2026 को या इसके पूर्व उपस्थित होकर इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति एवं आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया जा रहा है।

मुहर

तहसीलदार
कोहकामेटा

खबर संक्षेप

बस्तर संभाग में 39 नई समितियां

जगदलपुर। प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूती देने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 515 नवीन पैक्स सोसाइटी का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्रियों एवं विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति रही, जबकि सहकारिता मंत्री केदार कश्यप पश्चिम बंगाल से वर्चुअली जुड़े। इस पहल के तहत बस्तर संभाग में 39 नई पैक्स सोसाइटी शुरू की गई हैं, जिनमें से 9 बस्तर जिले में स्थापित हुई हैं। इससे क्षेत्र के किसानों को सीधा लाभ मिलने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में कार्यक्रम को लेकर उत्साह का माहौल रहा। बैंक के पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़कर इस पहल के साक्षी बने। इस दौरान बैंक के उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक रंजीत पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं संयुक्त पंजीयक विनोद बुनकर,बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुंवर सिंह ध्रुव,अतिरिक्त प्रबंधक एसए रजा, विपणन अधिकारी एसके कनौजिया,ऑडिट अधिकारी राजेश मंडावी,शाखा प्रबंधक सुरेश मथरानी,स्थापना प्रभारी संजय पाण्डेय,पर्यवेक्षक मनोज सिंह,इकरायमुद्दीन शेख, समीर साहू, मनोहर सेठिया सहित अन्य उपस्थित रहे, जबकि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप कोंडागांव के अनंतपुर लैम्प्स से वर्चुअली जुड़े।

बिहान कैंटीन के व्यंजनों से महका जनपद परिसर

जगदलपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत स्थापित इस कैंटीन की कमान ग्राम पंडरीपानी-1 के साईं महिला स्व सहायता समूह की पांच महिलाओं ने संभाल रखी है। सुमिता पटनायक (अध्यक्ष) और रीता पंडा (सचिव) के कुशल नेतृत्व में यह कैंटीन केवल दो माह के भीतर ही क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रही है। जनपद परिसर आड़ावाल में स्थित इस कैंटीन का औपचारिक शुभारंभ 25 फरवरी को जनपद पंचायत के अध्यक्ष पदलाम नाग के कर-कमलों द्वारा किया गया था। स्वाद और गुणवत्ता के अनूठे संगम के कारण यह स्थान आज न केवल आम जनता, बल्कि सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की भी पहली पसंद बन गया है।

जसगीतों से गूंजा शहर, परंपरा, संस्कृति और भक्ति का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

18 टीमों ने दिखाया दम,पारंपरिक संस्कृति को सहेजने का मजबूत संदेश

दंतेश्वरी मंदिर के समक्ष पतंजलि योग समिति एवं सूर रत्न म्यूजिकल ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जस गीत प्रतियोगिता ने बस्तर की लोक संस्कृति और धार्मिक आस्था को नई ऊर्जा प्रदान की। 11-12 अप्रैल को आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में जगदलपुर सहित फरसगुड़ा, भानपुरी, बकवांड,पंडरीपानी और दंतेवाड़ा क्षेत्र की 18 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भक्तिमय माहौल बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत 11 अप्रैल को हनुमान चालीसा, दंतेश्वरी माई और गणेश वंदना के साथ हुई,जो देर रात तक भक्तिरस में डूबी रही। प्रतियोगिता में नवदुर्गा जस एवं भजन मंडली (पांचवीं बटालियन कंगोली) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गायत्री मानस महिला मंडली (हल्बा कचोरा) द्वितीय और सीताराम मानस मंडली (धरमपुरा) तृतीय स्थान पर रही। विजेताओं को क्रमशः 11,000, 5,100 और 3,100 रुपये नगद,शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

समापन अवसर पर सांसद महेश कश्यप ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि पतंजलि द्वारा योग के साथ-साथ लोक परंपराओं को सहेजने का यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने सभी सनातन समाज के लोगों से ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

इस दौरान कार्यक्रम के संयोजन में पतंजलि योग समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज पाणिग्राही एवं सूर रत्न म्यूजिकल ग्रुप के रामकृष्ण नायडू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। निर्णायक मंडल में विपिन बिहारी दास,सूरज साहू,रतन व्यास एवं आभा सामदेकर शामिल रहे। साथ ही आयोजन समिति में मनोज चंद्रा, जितेंद्र मिश्रा,मंजु लुकंड,डॉ सुषमा झा,गायत्री बड़कस,हेमा शर्मा का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन नीलू मलिक,कविता बिजोलिया एवं दीप्ति पांडे द्वारा किया गया।

परंपरा को जीवंत रखने की पहल

इस आयोजन के माध्यम से विलुप्त होती जस गीत परंपरा को पुनर्जीवित करने का सार्थक प्रयास किया गया। क्रमबद्ध रूप से पहले पारंपरिक विधि से पूजा-अर्चना और वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई, फिर विभिन्न ग्रामीण और शहरी टीमों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को सामने लाया गया। इसके बाद निर्णायकों द्वारा पारंपरिकता, प्रस्तुति और भावनात्मक अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन किया गया। अंत में विजेताओं को सम्मानित कर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का संदेश दिया गया। यह पहल न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करती है, बल्कि बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत आधार भी तैयार करती है।

हर घर तक योजनाओं की पहुंच,हितग्राहियों से सीधा संवाद

गांव चलो, घर चलो अभियान से मिचनार में गूंजा विकास का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान के लाइव प्रसारण का दिया न्योता

गांव चलो, घर चलो अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी लोहंडीगुड़ा मंडल ने ग्राम पंचायत मिचनार में जोरदार जनसंपर्क एवं हितग्राही संवाद कार्यक्रम आयोजित कर विकास की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने सीधे ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष डॉ बसंत कश्यप ने हितग्राहियों से आत्मीय मुलाकात करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना और महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रह जाए। गांव में जनसंवाद के माध्यम से योजनाओं की जमीनी हकीकत भी जानी गई।

डॉ कश्यप ने ग्रामीणों को पेंशन योजना और आयुष्मान कार्ड के फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही हैं। ग्रामीणों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान को लेकर भी जागरूकता फैलाई गई। डॉ कश्यप ने जानकारी दी कि इस अभियान का शुभारंभ 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया, जिसका सीधा प्रसारण होगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस प्रसारण को देखें, स्वास्थ्य जांच कराएं और जागरूक नागरिक बनें। इस दौरान जनपद सदस्य कलम सिंह, लखीधार सेठिया, पटेल घनश्याम यादव, रूपचंद, बलीराम कर्मा, मोतीलाल मंडावी, लक्ष्मण वेट्टी, संतु सोढ़ी, सरपंच दीयलो पोडियामी, बुधराम कश्यप, हरि, नानी राम सोढ़ी, गुलशन कश्यप, धनमन, आसाराम, लक्ष्मण सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित

संवाद से बन रहा भरोसा

गांव चलो,घर चलो अभियान के जरिए भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। इस पहल ने न केवल योजनाओं की जानकारी को सरल बनाया है, बल्कि हितग्राहियों का भरोसा भी मजबूत किया है। जनप्रतिनिधि खुद गांवों में पहुंचकर योजनाओं की स्थिति का जायजा ले रहे हैं और जरूरतमंदों को तत्काल लाभ दिलाने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण अंचलों में विकास की रफ्तार और तेज होती नजर आ रही है।

शासकीय बकाया के चलते विद्युत कंपनी का एक भी डीसी नहीं हो सका निरंक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शासकीय विभागों पर 1.56 अरब का बिजली बिल लंबित, ध्यान नहीं

सरकारी विभागों और कार्यालयों पर भारी-भरकम बिजली बकाया होने के कारण बस्तर संभाग के सातों जिलों के विद्युत कंपनी का एक भी वितरण केंद्र शत-प्रतिशत निरंक नहीं हो सका है। शासकीय कार्यालयों, जलप्रदाय योजनाओं, और सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था पर बिजली कंपनियों का करोड़ों का बकाया है। डीसी स्तर पर लगातार प्रयास और नोटिस के बाद भी, सरकारी विभागों से समय पर भुगतान न मिलने के कारण डीसी को बकाया-मुक्त (निरंक) घोषित नहीं किया जा सका है। बिजली कंपनियों ने अब सख्त रुख अपनाते हुए बकायादार विभागों को नोटिस जारी किए हैं, शासकीय विभाग का ध्यान नहीं है। सरकारी बकाया का सीधा असर बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर पड़ रहा है। विद्युत वितरण कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जहां नियमित उपभोक्ताओं पर सख्ती की जाती है, लेकिन सरकारी बकाया वसूली धीमी रहती है। शासकीय विभाग पर एक अरब 56 करोड़ 88 लाख रूपए का बिजली बिल बकाया है। साथ ही सातों जिलों में 475 बड़े बिजली बकाएदारों (जिनका बिल 1 लाख रुपए से अधिक है) पर 17 करोड़ 94 लाख 21 हजार 177 रुपए का बिजली बिल बकाया है। इसमें से बस्तर जिले में 95 उपभोक्ताओं पर 3 करोड़ 45 लाख 12 हजार 460, बीजापुर जिले में 58 उपभोक्ताओं पर एक करोड़ 88 लाख 19 हजार 657, दंतेवाड़ा जिले में 132 उपभोक्ताओं पर 6 करोड़ 48 लाख 14 हजार 468, कांकेर जिले में 31 उपभोक्ताओं पर 97 लाख 91 हजार 596, नारायणपुर जिले में 27 उपभोक्ताओं पर 74 लाख 07 हजार 986, कोंडागांव जिले में 46 उपभोक्ताओं पर एक करोड़ 11 लाख 78 हजार एवं सुकमा जिले में 86 उपभोक्ताओं पर 3 करोड़ 28 लाख 97 हजार रूपए का बिजली बिल लंबित है।

समाधान योजना से मिलेगी राहत

विद्युत कंपनी जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक टीके मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना का लाभ लेने बस्तर संभाग के सातों जिलों के लगभग 44356 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया गया है। योजना से बकायादारों को राहत मिलेगी।

बस्तर में आप की संगठनात्मक बैठक, गांव गांव में सदस्यता अभियान चलाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- जनसमस्याओं को लेकर कार्यकर्ताओं ने बनाई रणनीति
- स्वास्थ्य, पेयजल और बुनियादी सुविधाओं पर सरकार को घेरा

आम आदमी पार्टी बस्तर एवं जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री एवं बस्तर जोन प्रभारी समीर खान तथा यूथ विंग अध्यक्ष अमित कश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर सदस्यता अभियान चलाएंगे। प्रत्येक पंचायत के हर गांव में कम से कम 100 नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही कार्यकर्ताओं ने यह भी संकल्प लिया कि वे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और उनके समाधान के लिए संघर्ष करेंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन मंत्री ने कहा कि बस्तर की जनता लंबे समय से भाजपा और कांग्रेस के बीच उपेक्षित रही है। आज भी क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जगदलपुर विधानसभा में नाली सफाई,पेयजल और अन्य नागरिक सुविधाओं जैसी छोटी-छोटी समस्याएं भी लोगों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बैठक में चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि डीमरापाल अस्पताल के सामने करोड़ों रुपये की लागत से बने कॉन्टिनेंटल अस्पताल को संचालित करने के लिए पर्याप्त सरकारी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं,जिसके चलते उसे निजी कंपनी के माध्यम से चलाया जा रहा है। इसे सरकार की विफलता बताया गया। साथ ही यह मांग भी उठाई गई कि सरकारी अस्पतालों में 24 घंटे एक्स-रे और सीटी स्कैन जैसी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

बैठक में पेयजल संकट और अधोसंरचना की समस्याओं पर भी गंभीर चर्चा हुई। बताया गया कि चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई है। वर्ष 2025 में आई भारी बारिश और बाढ़ के कारण कई पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त हो गए थे,लेकिन एक वर्ष बीतने के बाद भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है।

जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का संकल्प

बैठक में कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि आम आदमी पार्टी अब केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि जनहित के मुद्दों पर सड़क से लेकर प्रशासन तक संघर्ष को तेज करेगी। सदस्यता अभियान के माध्यम से हर गांव तक संगठन की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ-साथ जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा। पेयजल,स्वास्थ्य सेवाएं, सड़क और स्वच्छता जैसी बुनियादी जरूरतों को लेकर जनजागरण अभियान चलाने की रणनीति बनाई गई,ताकि आम नागरिकों को उनकी मूलभूत सुविधाएं समय पर मिल सकें और प्रशासन की जवाबदेही तय हो सके।

गुंजन संगीत समूह ने स्वर कोकिला को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

गुंजन संगीत समूह जगदलपुर द्वारा साईं सहारा के सभागार, जो आभा अभय सामदेकर के संगीत सभा कक्ष के रूप में जाना जाता है, में महान गायिका स्वर्गीय आशा भोंसले के देहावसान पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित कलाकारों ने उनके अमर गीतों और संगीत जगत में उनके अतुलनीय योगदान को भावुक स्वर में याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में कलाकारों ने कहा कि आशा भोंसले की आवाज ने कई पीढ़ियों को संगीत के माध्यम से जोड़ने का कार्य किया। उनके गीतों में भाव, लय और विविधता का अद्भुत संगम था, जिसने उन्हें संगीत जगत में अमर बना दिया। उपस्थित सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर समूह के सदस्यों द्वारा यह प्रस्ताव भी रखा गया कि आगामी वार्षिक उत्सव को आशा भोंसले को समर्पित किया जाए, ताकि नई पीढ़ी उनके संगीत और योगदान से प्रेरणा ले सके। प्रस्ताव का सभी ने समर्थन किया और इसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इस दौरान संरक्षक ज्योति लागू, उपाध्यक्ष नंदा कलकोटवार, कोषाध्यक्ष विजय भूषणम, प्रकाश रथ, आदित्य मोघे, संजीव शील, अध्यक्ष डॉ सुषमा झा, आभा सामदेकर एवं एडविन अभय सामदेकर सहित अन्य कलाकार उपस्थित रहे।

सुरों की विरासत को सहेजने का संकल्प

श्रद्धांजलि सभा में कलाकारों ने केवल शोक व्यक्त नहीं किया, बल्कि संगीत की उस विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया, जिसे आशा भोंसले ने अपने स्वर से समृद्ध किया था। सभा में इस बात पर जोर दिया गया कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं,बल्कि संवेदनाओं को जोड़ने वाली शक्ति है। कलाकारों ने तय किया कि भविष्य में ऐसे आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे,जिनमें महान संगीतकारों और गायकों के योगदान को याद करते हुए युवा पीढ़ी को उनसे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि संगीत की यह अमूल्य धरोहर सदैव जीवित रह सके।

अंबेडकर के विचारों से गूंजा बस्तर विश्वविद्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- युवाओं को मिला समानता और संविधान का संदेश

शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय की राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला द्वारा भारत के महान संविधान निर्माता एवं समाज सुधारक डॉ बीआर अंबेडकरकी जीवनी एवं उनके आदर्शों पर आधारित व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सामाजिक समानता, शिक्षा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति नई जागरूकता पैदा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं डॉ आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, शिक्षा के प्रति समर्पण और समाज में समानता स्थापित करने के लिए किए गए ऐतिहासिक प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही भारतीय संविधान निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को उनके विचारों को व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के मूलमंत्र को आत्मसात करने का संदेश दिया गया। सामाजिक समरसता,समानता और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया, जिससे युवा वर्ग एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके। इस दौरान राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला के सहायक प्राध्यापक भुनेश्वर लाल साहू, सियालाल नाग एवं पूर्णेन्द्र मिर्धा उपस्थित रहे। साथ ही एमए द्वितीय सेमेस्टर के छात्र निखिल कुमार सहित अनीता नाग, गुड्डी राम,जय देव, विशाल बघेल, जयराम नाग, लालाराम, ट्विंकल, तनुजा, भूमिका, अनीता, मंजू सोरी, प्रीति एवं सुनेमिया सागरिया सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संविधान के शिल्पी के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भारतीय संविधान के प्रधान शिल्पी, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर जगदलपुर में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सांसद ने डॉ अंबेडकर के विराट व्यक्तित्व और उनके ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, संकल्प और सेवा का अद्वितीय उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब द्वारा रचित भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं,बल्कि देश की करोड़ों जनता की आशाओं और आकांक्षाओं का जीवंत प्रतीक है। समारोह में सांसद महेश कश्यप ने बस्तर की जनता एवं क्षेत्रवासियों को अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए सभी से समतामूलक समाज के निर्माण हेतु एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।